हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 96 | देहरादून, बुधवार, 04 अक्टूबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

सीएम धामी ने किया एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के चौथे राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव 2023 में प्रतिभाग 3

दून में होगा 6वाँ विश्व आपदा प्रबन्धन सम्मेलन : मुख्यमंत्री

अमिताभ बच्चन सम्मेलन के होंगे ब्रांड एंबेसडर : मुख्यमंत्री

■ आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में देश एवं दुनिया भर के विशेषज्ञों के बीच होगा मंथन
■ सम्मलेन से पूर्व राज्य भर में आपदा प्रबन्धन के विशेष सत्रों का आयोजन किया जाएगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 अक्टूबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 6वाँ वैश्विक आपदा प्रबन्धन सम्मेलन के सम्बन्ध में प्रेस वार्ता की। इस दौरान वैश्विक आपदा प्रबन्धन सम्मेलन के लिए अमिताभ बच्चन के वीडियो संदेश का प्रसारण भी किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 6वाँ विश्व आपदा प्रबन्धन सम्मेलन (6th World Congress on Disaster Management) 28 नवंबर से01 दिसंबर तक देहरादून में उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, डी.एम.आई.सी.एस. हैदराबाद तथा उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यू कॉस्ट) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, परमाणु ऊर्जा आयोग के प्रमुखों, भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार के साथ ही विश्व के प्रमुख संस्थानों के प्रतिनिधियों, संयुक्त राष्ट्र संघ, देश-विदेश के जलवायु विशेषज्ञों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जा रहा है। सम्मलेन में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में देश एवं दुनिया भर के विशेषज्ञों के बीच मंथन होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 6वें विश्व सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र और समुदायों पर ध्यान केंद्रित करते हुए जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रतिरोध की चुनौतियों पर चर्चा करना एवं उनका समाधान करना है । इसके अतिरिक्त सम्मेलन का उद्देश्य उत्तराखण्ड को आपदा प्रतिरोधकता और तत्परता के लिए जलवायु अनुकूली समाधानों के केंद्र के रूप में विकसित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक आपदा प्रबन्धन सम्मेलन से आपदा प्रबन्धन की गंभीरता व विशेष रूप से उत्तराखण्ड राज्य और हिमालयी क्षेत्रों की आपदा से जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए विश्व स्तर पर किये जा रहे चिन्तन व प्रयासों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा जलवायु परिवर्तन (Climate Change) और आपदा प्रतिरोध्यता (Disaster Resilience) अत्यंत महत्वपूर्ण विषय हैं और वर्तमान समय में भारतवर्ष एवं विशेष रूप से हिमालयी राज्यों में इनके महत्व को देखते हुए आपदा प्रबन्धन के वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 8 - 9 दिसम्बर को राज्य में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 (Global Investors Summit-2023) का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन से ठीक पहले आयोजित आपदा प्रबन्धन के वैश्विक सम्मेलन से उत्तराखण्ड राज्य में ₹सुरक्षित निवेश, सुदृढ उत्तराखण्ड₹ (Safe Investment-Resilient Uttarakhand) का संदेश देश-विदेश में प्रसारित होगा। उन्होंने कहा राज्य सरकार इकोलॉजी एवं इकोनामी संतुलन बनाकर राज्य में विकास करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्य भर में आपदा प्रबन्धन के विशेष सत्रों का आयोजन सम्पूर्ण प्रदेश में विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय तथा राज्य में स्थित केन्द्रीय संस्थानों, जैसे- वाडिया, हिमालयी भू-विज्ञान, आई.आई.पी., आई.आई.आर.एस. जल संरक्षण इत्यादि में किया जायेगा। पूर्वोत्तर राज्य सहित देश भर के संस्थानों में भी आपदा प्रबन्धन पर पूर्व कार्यक्रम आयोजित किये जाने प्रस्तावित है। आपदा प्रबन्धन के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा ।मुख्यमंत्री धामी ने बताया कि सम्मेलन में 04 मुख्य सत्रों, 50 तकनीकी सत्रों, कई विशेष तकनीकी सत्रों में आपदा प्रबंधन से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श होगा। जिनमें मुख्यतः जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रतिरोध्यता, पूर्व चेतावनी प्रणाली और प्रतिरोधकता तथा आपदा के पश्चात पुनर्वास और पुनर्निर्माण आदि शामिल हैं। इस सम्मेलन के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) के साथ एकीकृत करके जलवायु परिवर्तन जनित चुनौतियों का बेहतर रूप से सामना करने में सहायता मिलेगी। जिससे प्रभावित समुदायों की प्रतिरोध्यता में सुधार होगा और प्रकृति की सुरक्षा के प्रति समुदाय अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे। आपदा प्रबन्धन के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संस्थानों, शोध संस्थानों तथा स्टार्ट-अप द्वारा किये जा रहे शोध कार्यों एवं समाधानों के प्रदर्शन के लिए मैगा एक्सपो का आयोजन भी किया जायेगा। सम्मेलन में उत्कृष्ट शोधपत्र और युवा शोधार्थियों और प्रतिभागियों को अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कृत भी किया जायेगा ।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सम्मेलन में विश्व के विभिन्न देशों के विशेषज्ञों, विभिन्न राज्यों और केंद्र सरकार के प्रतिष्ठानों, राज्यों की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषदों एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं के शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों के प्रतिभाग करने की संभावना है। उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (यू.एस.डी.एम.ए) द्वारा इस सम्मेलन का कार्यान्वयन किया जायेगा। उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यू - कॉस्ट) द्वारा सम्मेलन के वैज्ञानिक और तकनीकी विषयों का समन्वयन किया जायेगा।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि छठें विश्व सम्मेलन का उद्घाटन सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी , गृह एंव आपदा प्रबन्धन मंत्री अमित शाह को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित के लिए अनुरोध किया जाएगा। पद्म विभूषित अमिताभ बच्चन सम्मेलन के ब्रांड एंबेसडर के रूप में सहभागी होंगे। इस दौरान सचिव आपदा रंजीत सिन्हा, महानिदेशक यूकोस्ट प्रो. दुर्गेश पंत एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

बन्दियों के न्यूनतम मजदूरी दरों को बढ़ाने का निर्णय : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 अक्टूबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में जेल विकास बोर्ड की पहली बैठक में कारागारों में श्रम में नियोजित बन्दियों के न्यूनतम मजदूरी दरों को बढ़ाने का निर्णय लिया गया। दैनिक पारिश्रमिक कुशल के लिए 67 रूपये से बढ़ाकर 85 रूपये, अर्द्धकुशल के लिए 52 रूपये से बढ़ाकर 65 रूपये और अकुशल के लिए 44 रूपये से बढ़ाकर 55 रूपये दिये जाने का निर्णय लिया गया। राज्य के सभी कारागारों में बेकरी यूनिट की स्थापना की जायेगी। 2 फरवरी को जिला कारागार देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा बेकरी यूनिट का शुभारंभ किया गया, इसके अच्छे परिणाम आने के बाद यह निर्णय लिया गया।

बैठक में सम्पूर्णानन्द शिविर (खुली जेल) सितारगंज में अच्छी नस्ल की 10 गाय क्रय करने पर सहमति बनी। सम्पूर्णानन्द शिविर (खुली जेल) सितारगंज में शिविर की 5 बीघा भूमि पर विभिन्न प्रजाति के फलदार तथा औषधीय पौधों की पौधशाला की स्थापना के लिए बैठक में सहमति बनी। इसके लिए प्रशिक्षण, देखरेख एवं खरीद की सभी व्यवस्था उद्यान विभाग करेगा। इस पौधशाला केन्द्र से 50 से 60 बंदियों को श्रम पर नियोजित किया जा सकेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि कारागारों में निरूद्ध बन्दियों के कौशल विकास के लिए कौशल विकास विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। बन्दियों की रूचि एवं योग्यता के अनुसार विद्युतकार, वेल्डर, कारपेन्टर, सिलाई, बढ़ई जैसे व्यवसायों का प्रशिक्षण दिया जायेगा।

पहले चरण में 500 बन्दियों को प्रशिक्षित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। बन्दी वस्त्रों की धुलाई के लिए देहरादून और हरिद्वार कारागारों में लॉड्री मशीन की व्यवस्था की जायेगी। जिला कारागार, हरिद्वार में संचालित पावरलूम उद्योग का आधुनिकीकरण किया जायेगा। फर्नीचर उद्योग के लिए इमारती लकड़ी की खरीद के लिए वन निगम से वार्ता करने के निर्देश दिये गये। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारागारों में बन्दियों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए रिक्त 11 चिकित्सकों के पदों की उपलब्धता के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाय।

डॉ तृप्ति ने 101 गांवों की मिट्टी से अमृत कलश यात्रा निकलने का लिया संकल्प

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 04 अक्टूबर : देहरादून माया ग्रुप की प्रबंध निदेशक, डॉ तृप्ति जुयाल सेमवाल द्वारा माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के ₹मेरी माटी मेरा देश₹ अभियान के तहत उत्तराखंड के 101 गांवों की मिट्टी एकत्र करने का अभियान शुरू किया गया।

अमृत कलश यात्रा₹ महासू मंदिर, हनोल से शुरू की गई है जो कि 24 दिनों के बाद यह हनोल, पुरोला, बड़कोट, विकासनगर, चंबा, टिहरी, श्रीनगर, पौडी, कोटद्वार, हरिद्वार, ऋषिकेश होते हुए टपकेश्वर मंदिर, देहरादून में समाप्त होगी। अमृत कलश यात्रा का प्रारंभ करते हुए डॉ तृप्ति ने कहा कि यह अभियान हमारे भारत देश को एक सूत्र में पिरोने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

डॉ तृप्ति ने कहा कि हजारों गांवों की मिट्टी जब दिल्ली में अमृत वाटिका में समर्पित की जायेगी तब यह वास्तव में देश की अखंडता का सच्चा उदाहरण होगा। मेरी माटी मेरा देश अभियान के प्रथम दिन अमृत कलश यात्रा महासू देवता मंदिर, हनोल एवं कंडियाल ग्राम, पुरोला, उत्तरकाशी में निकली गई। इस अभियान में माया ग्रुप की अध्यक्षा प्रभा जुयाल, उपाध्यक्ष डॉ आशीष सेमवाल, कैंपस डीन डॉ मनीष पांडे, आशुतोष बडोला, कृष्ण साह, सुमन, रितिका, ललित, राजेश सेमवाल, संजीव सिंह आदि उपस्थित थे। अमृत कलश यात्रा का समापन 25 अक्टूबर, 2023 को भव्य समारोह के साथ किया जाएगा।

पैर क्रॉस कर बैठने की आदत लगा सकती है मर्दानगी पर 'ग्रहण'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 अक्टूबर , कुछ लोगों को पैर को क्रॉस करके बैठने की आदत होती है। पैर के ऊपर पैर चढ़ाकर वो बैठना पसंद करते हैं। पुरुष से ज्यादा महिलाएं इस तरह बैठती हैं। दरअसल, क्रॉस लेग करके बैठना आराम का अनुभव कराता है। ऑफिस हो या फिर घर हर जगह वो इस मुद्रा में बैठना ही पसंद करते हैं। लेकिन इस तरह बैठना सेहत के लिए अच्छा नहीं है। यह कई तरह की बीमारी आपके लिए लेकर आती है। पुरुषों का स्पर्म काउंट तक कम कर देती है। तो चलिए बताते हैं क्रॉस लेग बैठने के साइट इफेक्ट

आर्थोपेडिक इश्यू

लंबे समय तक या आदतन क्रॉस पैर बैठने से आर्थोपेडिक समस्याएं हो सकती हैं, खासकर पीठ के निचले हिस्से और कूल्हों में। ऐसे बैठने से वजन असामान रूप बढ़ता है जिससे रीढ़ और पेल्विस पर दबाव पड़ता है।

नर्व पर दबाव पड़ता है

अपने पैरों को क्रॉस करके बैठने से कभी-कभी पेरोनियल नर्व दब सकती है, जिससे निचले पैर में अस्थायी सुन्नता और झुनझुनी हो सकती है।

मांसपेशियों में असंतुलन

समय के साथ इस तरह बैठने से मांसपेशियों में असंतुलन पैदा कर सकता है। खासकर कूल्हे और पेल्विस एरिया में। यह पेल्विस का आकार बिगड़ जाता है। पीठ के निचले हिस्से में दर्ज जैसी समस्या पैदा कर सकता है।

सूजे हुए नस

पैरों को क्रॉस करने से पैरों में ब्लड का फ्लो प्रभावित हो सकता है। जिससे नस सूज सकते हैं। यह उन व्यक्तियों के लिए अधिक चिंता का विषय है जिन्हें पहले से ही इस स्थिति की संभावना है।

पाचन संबंधी समस्याएं

कुछ विशेषज्ञों का सुझाव है कि क्रॉस पैर करके बैठने से स्वस्थ पाचन में बाधा आ सकती है। यह पेट के क्षेत्र को संकुचित कर सकता है और संभावित रूप से असुविधा या सूजन का कारण बन सकता है।

जोड़ों में खिंचाव

पैरों को क्रॉस करके बैठने से घुटनों और टखनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है, खासकर अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे।

स्पर्म काउंट भी होता है प्रभावित

रिसर्च की मानें तो पैरों को क्रॉस करके बैठने से पुरुषों को स्पर्म काउंट भी कम होने लगता है। इसकी वजह टेस्टिकल्स का तापमान का सामान्य से बढ़ जाना है। जिसकी वजह से स्पर्म काउंट कम होने लगता है।

झुकने में दिक्कत

इस तरह लगातार बैठने से वक्त के साथ झुकने में दिक्कत हो सकती है। कंधों का झुकना और आगे की ओर सिर झुकाना जैसी लॉन्ग टर्म समस्या हो सकती है।

ड्राइविंग के दौरान स्ट्रीट फूड खाने वाले हो जाएं सावधान!

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 अक्टूबर , भारत की सड़कों पर ड्राइव करते हुए आपने अक्सर देखा होगा कि रोड के दोनों किनारे स्ट्रीट फूड के बाजार लगे होते हैं। जहां ड्राइविंग के दौरान कई लोग स्नैक्स खाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये फास्ट फूड आपको ड्राइविंग के दौरान कई तरह से नुकसान पहुंचा सकता है? आइए आज हम आपको बताते हैं।हम जो खाते हैं उसाक सीधा प्रभाव हमारी ऊर्जा और प्रदर्शन पर पड़ता है।

इससे हमारी नींद और एकाग्रता पर भी महत्वपूर्ण असर पड़ता है। वहीं बदलते खानपान के साथ फास्टफूड ने हमारे जीवन में अहम हिस्सेदारी बना ली है।स्ट्रीट फूड ज्यादातर खुले में बिकते हैं, और खुले में ही रखे जाते हैं। जिससे वो काफी हद तक अनहेल्दी हो जाते हैं। हाइजीन के अभाव के कारण इस तरह के स्ट्रीट फूड को खाने से फ़ूड प्वाइंजन होने का खतरा बढ़ जाता है।डिहाइड्रेशन की समस्याः खासतौर पर गाड़ी चलाते समय स्ट्रीट फूड खाने से ड्राइवर को असुविधा हो सकती है और ध्यान भटक सकता है। अगर आप सड़क किनारे स्टॉल्स पर जंक

फूड खा कर गाड़ी चलाते हैं तो इसका आप पर असर पड़ेगा।

स्ट्रीट फूड में नमक का अधिक प्रयोग किया जाता है इससे डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। हानिकारक पदार्थों की मिलावटः स्ट्रीट फूड में अनजाने में कई तरह के हानिकारक पदार्थ शामिल हो सकते हैं। जिससे कि आपकी ड्राइविंग क्षमता प्रभावित हो सकती है। हम जानते हैं कि उच्च वसा या घी वाला स्ट्रीट फूड भोजन से अधिक नींद आती है।इस तरह के भोजन से आलसपन आने की वजह से ड्राइवर की एकाग्रता भंग हो सकती है। ऐसे में अगर आप स्ट्रीट फूड खाने के बाद लॉन्ग ड्राइव पर निकलते हैं तो आपको नींद आ सकती है और आपकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो सकती है।

स्ट्रीट फूड सामान्य रुप से मसालेदार होते हैं। लिहाजा इन खाद्य पदार्थों का सेवन आपको ड्राइविंग के वक्त असहज कर सकता है और गाड़ी चलाते समय आपका ध्यान भटक सकता है। दुष्प्रभावः स्ट्रीट फ़ूड चूंकि मसालेदार और टेस्टी होता है इसलिए कई बार हम ज़्यादा खाना खा लेते है। बहुत अधिक खाने से आपकी गाड़ी चलाने की क्षमता ख़राब हो सकती है। इससे आपको फोकस बनाए रखने में समस्या आ सकती है। धीरे-धीरे स्ट्रीट फूड भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है। इसलिए इससे होने वाले संभावित नकारात्मक प्रभावों के बारे में हमें अधिक जागरूक होने की जरुरत है। इससे हम स्वस्थ और सुरक्षित रह सकते है। इसलिए लॉन्ग ड्राइव पर जाने से पहले स्ट्रीट फूड खाने से बचना चाहिए!

सीएम धामी ने किया स्पोर्टस कॉलेज रायपुर में आयोजित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के चौथे राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव 2023 में प्रतिभाग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को महाराणा प्रताप स्पोर्टस कॉलेज रायपुर में आयोजित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के चौथे राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव 2023 में प्रतिभाग किया। नेशनल एजुकेशन सोसायटी फॉर ट्राइबल स्टूडेन्ट तथा स्टेट एकलव्य विद्यालय संगठन समिति उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में देश के 22 राज्यों से आए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) के छात्र एवं शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न राज्यों से आये छात्रों की उपस्थिति में यह उत्सव भारत की विविधता में सांस्कृतिक एकता का जश्न मनाने का एक मंच बन गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चार दिवसीय आयोजन ईएमआरएस में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के सर्वांगीण विकास को गति देने के साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना के अनुरूप है, जो निरंतर सांस्कृतिक जुड़ाव को बढ़ावा देगा, और समृद्ध भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और विरासत को राष्ट्रीय एकीकरण के माध्यम से विविधता में एकता की मिशाल बनेगा। उन्होंने कहा कि यह अवसर वास्तव में छात्रों के बीच उत्साह की भावना, सांस्कृतिक जुड़ाव और विभिन्न राज्यों से आने वाले छात्रों के बीच राष्ट्रीय एकता के भाव को भी मजबूत करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड में मुख्य रूप से पांच प्रकार की जनजातियाँ निवास करती हैं। उनकी भौगोलिक, आर्थिक तथा ऐतिहासिक स्थितियाँ लगभग समान है। उन्होंने स्वयं जीवन का एक महत्वपूर्ण कालखंड थारू जनजाति के बीच में बिताया है। उन्होंने कहा कि जनजाति समुदाय के पंडित नैन सिंह रावत के जीवन की शुरुआत भी एक महान सर्वेयर के रूप में इसी देवभूमि से हुई है, जिन्होंने तिब्बत की यात्रा के दौरान अपने कदमों की नाप से दुनिया को बताया कि ल्हासा की समुद्र तल से ऊंचाई कितनी है साथ ही दुनिया को तिब्बत के कई अनदेखे और अनसुलझे रहस्यों से भी रूबरू कराया तथा तिब्बत के नक्शे को दुनिया के सामने रखा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विगत 09 वर्षो के कार्यकाल में देश में अनुसूचित जनजातियों का समेकित सामाजिक-आर्थिक विकास हुआ है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आज़ादी के इस अमृतकाल में भारत की जनजातीय परम्पराओं एवं शौर्य गाथाओं को भव्य पहचान दिलाई है। जनजातीय समाज के अस्तित्व, अस्मिता और आत्मनिर्भरता का सपना साकार किया है।

मुख्यमंत्री ने सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में एक अतिरिक्त एकलव्य विद्यालय की स्थापना हेतु केन्द्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री श्री अर्जुन मुंडा से अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण एवं उनके जीवन स्तर में सुधार को उच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इनका आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षिक उत्थान और सर्वांगीण विकास कर उन्हें समाज के मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में चार एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कालसी, मेहरावना, बाजपुर व खटीमा में संचालित है। प्रतियोगी परीक्षा पूर्व कोचिंग की निःशुल्क व्यवस्था के साथ युवक-युवतियों को प्रतिमाह छात्रवृत्ति भी प्रदान की जा रही है। अनुसूचित जनजाति की पुत्रियों की शादी हेतु 50 हजार का अनुदान प्रदान किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा जनजातीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु प्रतिवर्ष राज्य जनजाति महोत्सव तथा खेल महोत्सव आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है। जनजातीय शोध संस्थान के लिये 01 करोड के कार्पस फण्ड की भी व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की गई है। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन मुंडा एवं कैबिनेट मंत्री श्री सुबोध उनियाल ने भी इस आयोजन में अपने विचार रखे।

उन्होंने कहा कि राज्य में जनजातीय छात्रों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने हेतु उन्हें प्राइमरी से स्नातकोत्तर स्तर तक छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। शैक्षिक उत्थान एवं विकास हेतु वर्तमान में 16 राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है, शैक्षिक विकास हेतु धारचूला, गोपेश्वर, काशीपुर, खटीमा एवं धनपौ (चकराता) में छात्रावास संचालित है, अनुसूचित जनजाति के शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों को तकनीकी शिक्षा हेतु प्रदेश में 03 आई.टी.आई. का संचालन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि गत वर्ष कर्नाटक में आयोजित ईएमआरएस राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव के तीसरे संस्करण में, देवभूमि के जनजातीय छात्रों की अद्वितीय प्रतिभा और क्षमताओं के बल पर उत्तराखण्ड राज्य समग्र श्रेणी में प्रथम स्थान पर रहा। उन्होंने इस उत्सव के चौथे संस्करण में देवभूमि के छात्रों को सभी श्रेणियों में बेहतर प्रदर्शन की भी शुभकामना दी।

इस अवसर पर मेयर श्री सुनील उनियाल गामा, विधायक श्री उमेश शर्मा काउ, श्री राजकुमार पोरी, निदेशक जनजाति निदेशालय श्री संजय सिंह टोलिया, छात्र-छात्राओं सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हिंदी वाद विवाद में द हैरिटेज स्कूल प्रथम

देहरादून। अंतरविद्यालय हिन्दी वाद विवाद प्रतियोगिता में द हैरिटेज स्कूल ने पक्ष और विपक्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर पहला स्थान प्राप्त किया। दून इंटर नेशनल स्कूल दूसरे स्थान पर रहा। द हैरिटेज स्कूल की अभिलाषा रावत को विपक्ष और डीआईएस की यशिका को पक्ष में श्रेष्ठ वक्ता का पुरस्कार मिला। द हैरिटेज स्कूल के सभागार में मंगलवार को प्रतियोगिता आयोजित की गई। वक्ताओं ने राजतंत्र से लेकर लोकतंत्र पर कड़े प्रहार किए। पाइनहाल स्कूल के अर्जुन जोशी ने कहा कि वास्तविक जीवन में यह दर्शाता है कि आज राजतंत्र नहीं लोकतंत्र है। आज भी भाई भतीजावाद, भ्रष्टाचार एक अभिन्न अंग बन गया है। वाद विवाद प्रतियोगिता में भाई भतीजावाद, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई, जी 20, चन्द्रायान सहित अनेकों मुद्दे छाए रहे। इस अवसर पर द हैरिटेज स्कूल, पाइन हॉल स्कूल, शिवालिक इंटरनेशनल स्कूल, दून इंटरनेशनल स्कूल, द प्रेसीडैंसी इंटरनेशनल स्कूल, मार्शल स्कूल, सेंट थॉमस स्कूल, राजा राम मोहन राय एकेडमी, दून प्रेसीडेंसी स्कूल, माउंट फोर्ट एकेडमी, कृष्ट ज्योति एकेडमी एवं सेंट जैवियर स्कूल आदि के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। निर्णायक के रूप में मानव भारती स्कूल के डा. अनंतमणि त्रिवेदी, सहकारिता विभाग के उप निदेशक डा. अनिल शास्त्री रहे। मौके पर स्कूल के चेयरमैन चौधरी अवधेश कुमार, काउंसलर चारू चौधरी, प्रधानाचार्य डा. अंजू त्यागी, पीएस चौहान आदि मौजूद थे।

नगर भ्रमण पर निकली श्रीराम और माता जानकी की पालकी

विकासनगर। हनुमद धाम के स्थापना दिवस पर मंगलवार को राम जानकी पालकी को नगर भ्रमण कराया गया। नगर भ्रमण के दौरान सैकड़ों भक्त भगवा ध्वज लिए हनुमान चालीसा का पाठ करते रहे, जिससे पूरा नगर भक्तिमय हो गया। नगर के बाशिंदों को नींद खुलते जय श्री राम का उद्घोष सुनाई दिया। हनुमद धाम से सैकड़ों भक्तों के साथ राम जानकी की पालकी कोतवाली रोड से गीता भवन होते हुए मुख्य बाजार पहुंची। बाजार से होते हुए डाकपत्थर तिराहे से सैयद रोड, अस्पताल रोड समेत पूरे नगर का भ्रमण किया। भोर में ही बाजार में हनुमान चालीसा, बजरंग बाण का गायन के साथ ही जय श्री राम का उद्घोष गूंजता रहा। प्रभु श्री राम और माता जानकी के दर्शनों के लिए नगरवासी घरों से बाहर दौड़ पड़े। घरों की छतों, द्वार, खिड़कियों से भी लोग पालकी पर पुष्प वर्षा करते रहे। सैकड़ों के भक्तों के बीच में चल रही राम पालकी की झांकी, हाथों में भगवा ध्वज लिए मदमस्त चल रहे भक्तों द्वारा हनुमान चालीसा, जय श्रीराम के उद्घोष से नगर का माहौल ऐस लग रहा था मानो प्रभु श्रीराम लंका विजय के बाद अयोध्या नगरी लौट रहे हों। नगर में बने तोरणद्वारों पर पुष्प थाल लिए नगर की बालिकाएं पालकी पर पुष्प वर्षा कर राम चरित मानस का गान करती रही। नगर भ्रमण में दिनेश अग्रवाल, नवनीत गुप्ता, शशांक अग्रवाल, विष्णु महावर, संदीप महावर, अर्चना त्यागी, रामबाबू अग्रवाल, राजू त्यागी, दया सागर, रोशन लाल शर्मा, कमल कांत अग्रवाल, मोहन लाल, मनीष गुप्ता, प्रदीप त्यागी, विक्रांत अग्रवाल, राजेश कुमार, अनुज कंसल, विकास वर्मा, विनीत ठाकुर, अमरीश गुप्ता आदि शामिल रहे।

पछुवादून में भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत

विकासनगर। पछुवादून में भी मंगलवार दोपहर करीब 2.45 बजे भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप के झटकों से लोगों में दहशत फैल गयी। आनन-फानन में लोग घरों से बाहर निकले। इसके चलते अफरा-तफरी मच गई। भूकंप के झटके आने के बाद काफी देर तक लोग घरों के बाहर ही टहलते रहे। करीब पौने तीन बजे पछुवादून क्षेत्र के विकासनगर, हरबर्टपुर, डाकपत्थर, सहसपुर, सेलाकुई साहित आसपास के क्षेत्रों में लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किये। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोगों में दहशत फैल गयी। लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल गये।

सभी विभाग आपसी सामंजस्य स्थापित कर केन्द्र की विकास योजनाओं की गति में तेजी लाएं

अल्मोड़ा। सभी विभाग आपसी सामंजस्य स्थापित कर केन्द्र की विकास योजनाओं की गति में तेजी लाएं। यह बात आज विकास भवन सभागार में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में सांसद अजय टम्टा ने अध्यक्षता करते हुए कही। बैठक में सर्वप्रथम जिलाधिकारी विनीत तोमर ने सांसद अजय टम्टा का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस दौरान सांसद ने जनपद व विकासखण्ड स्तरीय अधिकारियों के साथ केन्द्र पोषित योजनाओं व अन्य मुख्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जल जीवन मिशन एवं अन्य केंद्रीय योजनाओं में गति लाने के कड़े निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों से संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय तक कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी की लापरवाही संज्ञान में आई तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनपद में केन्द्र पोषित संचालित योजनाओं का डाटा विकासखण्डवार बनाया जाय ताकि संचालित योजनाओं का लाभ लोगों को मिल रहा है या नहीं के बारे में जानकारी मिल सके। उन्होंने पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाई समेत अन्य निर्माणकारी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी कार्य पूर्ण होने की स्टेज में हैं उनकी सूची तैयार कर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने पीएमजीएसवाई एवं एनएच द्वारा बनाई जा रही सड़कों की गुणवत्ता को ठीक रखने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके विभाग में जो केन्द्र पोषित योजनाएं संचालित हैं उन योजनाओं में जो भी कार्य पूर्ण नहीं हुए है उन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाय। इस दौरान उन्होंने आयुष्मान योजना का अधिक से अधिक प्रचार करने के निर्देश दिए तथा जो अस्पताल योजना में सूचीबद्ध हैं, उनका भी अधिक से अधिक प्रचार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

संक्षिप्त खबरें

मजदूर किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ किया प्रदर्शन

देहरादून। राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले सोमवार को मजदूर संगठनों सीआईटीयू ,एटक ने सीटू ने पीलीभीत में हुई घटना को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने मजदूर किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। इस दौरान किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह सजवाण, महामंत्री गंगाधर नौटियाल, कोषाध्यक्ष शिवप्रसाद देवली, जिलाध्यक्ष देहरादून दलजीत सिंह, महामंत्री कमरूद्दीन, माला गुरूंग, सीटू के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह नेगी, जिला महामंत्री लेखराज, एटक के नेता एसएस रजवार, राजेन्द्र पुरोहित, एजाज, बलबीर सिंह, याकूब अली, उम्मेद बोरा, जितेन्द्र सिंह, मलकियत सिंह, कुन्दन सिंह ,गुमान सिंह प्रेम सिंह, सरजीत सिंह, जिया राम,जमीरी राम, रणजीत सिंह, बिन्दा सिंह, किशन सिंह, हरवंश सिंह, मनमोहन सिंह, गुरूप्रीत सिंह, अनन्त आकाश, प्रदीप कुमार,भगवन्त पयाल, राम सिंह भंडारी, रविंद्र नौडियाल, मामचन्द, चित्रा, शिवा दुबे, लक्ष्मी पन्त आदि मौजूद थे।

रोडवेज के अस्तित्व को खतरे नहीं आने देंगे

देहरादून। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने विभिन्न मांगों को लेकर आईएसबीटी में सांकेतिक धरना दिया। आक्रोशित कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। चेताया कि यदि उनकी मांग नहीं मानी जाती है तो आंदोलन को तेज किया जाएगा। मंगलवार को कर्मचारी आईएसबीटी में एकत्र हुए। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि रोडवेज कर्मचारी रोडवेज का अस्तित्व बचाने के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। प्रदेश में प्राइवेट वाहन डगमामारी कर रहे हैं, जिससे रोडवेज को नुकसान हो रहा है, बावजूद ऐसे वाहनों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। रोडवेज की ओर 100 बसें खरीदी जानी थी, लेकिन एक साल बाद भी यह बसें नहीं आई। बसों का बेड़ा हर महीने कम हो रहा है। विशेष श्रेणी और संविदा कर्मचारियों की अभी तक सेवा नियमावली नहीं बन पाई। हर महीने बस खरीद की नीति पर भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसके अलावा कई मांगें कर्मचारी और निगम हित में हैं। सभी मांगों को लेकर कई बार समझौते भी हो चुके हैं, लेकिन परिणाम सिफर है। मजबूरन कर्मचारियों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। चेताया कि अब यदि उनकी मांगें नहीं मानी जाती है तो वह आंदोलन को तेज करेंगे, चक्काजाम जैसे फैसले से भी पीछे नहीं हटेंगे। इस मौके पर रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश संयोजक अशोक चौधरी, दिनेश पंत, प्रेम सिंह रावत, राम किशन राम, रविनंदन कुमार, केपी सिंह, हरेंद्र कुमार, जगदीश बहुगुणा, मेजपाल सिंह, राकेश पेटवाल, बालेश कुमार, अंकुर छोकर, सचिन कुमार आदि मौजूद रहे।

श्रीदेव सुमन विवि की परीक्षाओं के परिणाम घोषित

देहरादून। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में लंबे समय से परीक्षा परिणाम का इंतजार कर रहे छात्रों के लिए अच्छी खबर है। विवि की ओर से स्नातक और स्नातकोत्तर के मुख्य एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के परिणाम घोषत कर दिए गए हैं। विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने बताया मंगलवार को विवि की ओर से स्नातक स्तर के बीए, बीएससी, बीकॉम और बीकॉम आनर्स के सेमेस्टर पद्धति के चतुर्थ और षष्टम सेमेस्टर, वार्षिक पद्धति के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के सभी परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। जबकि स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय के अर्थशास्त्र, शिक्षा शास्त्र, कला, भूगोल, अंग्रेजी, इतिहास, गृह विज्ञान, संगीत, राजनीति शास्त्र, संस्कृत, समाजशास्त्र द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर, विज्ञान संकाय के गणित, मानव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, रक्षा एवं अध्ययन, भू-गर्भ विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जंतु विज्ञान के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर एवं वाणिज्य संकाय के एमकॉम के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं।

मंत्री गणेश जोशी ने 25 किसानों के एक दल को सोलन हिमाचल के लिए किया रवाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 04 अक्टूबर। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज हाथी बड़कला स्थित कैंप कार्यालय से राज्य में किसानों को सघन / अति सघन सेब बागवानी के क्षेत्र में कुशलता ग्रहण करने के लिए जनपद देहरादून के विकासखण्ड चकराता, कालसी एवं सहसपुर से 25 किसानों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण के लिए डॉ० वाई०एस० परमार यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टीकल्चर एंड फोरेस्ट्री नौणी, सोलन हिमाचल प्रदेश के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि जनपद के कृषक सेब उत्पादन के क्षेत्र में नवीन उच्च तकनीकी यथा कटाई छटाई, फल पौध रोपण, उर्वरक, जैविक खाद, बडिंग ग्राफ्टिंग, फलों की पैकेजिगं व माकेर्टिंग इत्यादि के सम्बन्ध में प्रशिक्षण संस्थान से तकनीकी जानकारी प्राप्त कर स्वयं भी लाभ उठायें एवं अन्य किसानों को भी नवीन एवं उच्च तकनीक की जानकारी देगें। जिससे कि राज्य में सेब उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि होगी साथ ही कृषको की आय में वृद्धि होगी। सेब की अति सघन बागवानी से राज्य के कृषकों के रोजगार के अवसरों का सृजन होगा तथा पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन में कमी आयेगी, भविष्य में इसी प्रकार से किसानों को समय समय पर प्रशिक्षण प्राप्त कराया जायेगा।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा बागवानी के प्रति यह प्रयास किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है और इस तरह से भविष्य में भी जिला योजना / राज्य सेक्टर की योजनाओं से समय समय पर कीवी फल उत्पादन प्रशिक्षण, मधु पालन प्रशिक्षण के लिये भी किसानों का चयन करके राज्य के भीतर एवं राज्य के बाहर जो भी संभव हो किसानों की आर्थिकी को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण समय समय पर अवश्य कराये जायेंगें।इस अवसर पर सरकार में दायित्वधारी कैलाश पंत, मुख्य उद्यान अधिकारी डॉ० मीनाक्षी जोशी, संयुक्त निदेशक डॉ० सुरेश राम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेंद्र यादव सहित कई लोग उपस्थित रहे।

परी बिश्नोई .... जो IAS बनने के लिए हो गयी साध्वी !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 अक्टूबर , भारत में आईएएस अधिकारी बनने के लिए लोगों को सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक यूपीएससी (UPSC) परीक्षा पास करना होता है। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए व्यक्ति को कई घंटों तक पढ़ाई करनी पड़ती है। हर साल हजारों उम्मीदवार आईएएस, आईएफएस और आईपीएस बनने के लिए यह परीक्षा देना चाहते हैं। उनमें से केवल कुछ ही लोग इस परीक्षा में सफल हो पाते हैं। इस परीक्षा के मुख्य तीन भाग होते हैं। प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार। इनके आधार पर मैरिट तैयार होती है। आज हम बात करेंगे आईएएस परी बिश्नोई (Pari Bishnoi) के बारे में, जिन्होंने यूपीएससी परीक्षा क्रैक करने के लिए साधु जैसे बनकर जीवन बिताया और सफलता हासिल की।

राजस्थान के बीकानेर की रहने वाली आईएएस परी बिश्नोई ने 2019 में यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल की। उनके पिता मनीराम बिश्नोई वकील हैं और मां सुशीला बिश्नोई वर्तमान में जीआरपी में पुलिस अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। परी के दादा गोपीराम बिश्नोई चार बार काकड़ा गांव के सरपंच रह चुके हैं। परी बिश्नोई ने अपनी स्कूली शिक्षा अजमेर के सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल से पूरी की। इसके बाद परी बिश्नोई दिल्ली विश्वविद्यालय के इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज में स्नातक की डिग्री करने के लिए आग गईं। अजमेर में एमडीएस विश्वविद्यालय में, परी बिश्नोई ने राजनीति विज्ञान में मास्टर डिग्री हासिल की।

तीसरे प्रयास में पास की यूपीएससी की परीक्षा

परी बिश्नोई ने अपनी पढ़ाई के दौरान यूजीसी नेट-जेआरएफ भी पास किया। अपने तीसरे प्रयास में परी बिश्नोई यूपीएससी परीक्षा पास करने में सफल रहीं। उन्होंने यूपीएससी एआईआर 30 हासिल की। परी बिश्नोई की मां ने एक मीडिया साक्षात्कार में कहा कि जब आईएएस अधिकारी बनने के लिए यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रही थीं तो परी ने अपने सभी सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दिए थे और मोबाइल का इस्तेमाल करना भी बंद कर दिया था।परी बिश्नोई ने दावा किया कि उन्होंने यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के दौरान एक साधु की तरह जीवन बिताया। परी बिश्नोई सिक्किम अब गंगटोक में सब डिविजनल ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले वह भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं गैस मंत्रालय में सहायक सचिव थीं।

काम का तनाव पुरुष को बना रहा है दिल का मरीज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 अक्टूबर ,आज के दौर में अक्सर लोगों को काम के तनाव से गुजरना पड़ता है। उन्हें लगता है कि ये सामान्य है..लेकिन धीरे-धीरे कब ये हमे दिल का मरीज बना देता है पता ही नहीं चलता है। जो पुरुष काम से संबंधित तनाव के उच्च स्तर का अनुभव करते हैं और उनके काम में कम सराहना मिली है, उनमें हार्ट से जुड़ी बीमारी होने की आशंका उन लोगों की तुलना में दोगुनी होती है जो ऐसा नहीं करते हैं। कनाडाई शोधकर्ताओं की टीम ने इसे लेकर हाल ही में रिसर्च किया।

6,500 पुरुष और महिला कर्मचारियों को शोध में किया गया शामिल

शोधकर्ताओं ने वर्कर के तनाव और उसके बदले में इनाम के बीच के असंतुलन का विश्लेषण किया। मतलब जब कर्चमारी ज्यादा

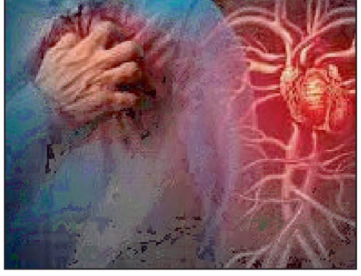

काम करता है और उसके बदले में पुरस्कार जैसे सैलरी, नौकरी सुरक्षा की गारंटी, बोनस कम मिलता है। ऐसे लोगों में हार्ट डिजिज होने की आशंका बढ़ जाती है। 2000 से 2018 तक, शोधकर्ताओं ने कनाडा में लगभग 6,500 पुरुष और महिला कर्मचारियों को फॉलो किया, जिन्हें दिल की बीमारी नहीं थी। उन्होंने कर्मचारी के तनाव के लेबल और इनाम के असंतुलन को मापने के लिए प्रश्नावली का उपयोग किया।

पुरुषों पर काम का तनाव करता है असर, महिलाओं पर नहीं पड़ता कोई इफेक्ट

सामने आए नतीजों में पता चलता है कि जिन पुरुषों ने काम से संबंधित तनाव और पुरस्कार असंतुलन की सूचना दी, उनमें हृदय रोग विकसित होने का जोखिम उन लोगों की तुलना में 49% अधिक था, जिन्होंने ऐसा नहीं किया था। शोध के लेखक लैविग्ने-रॉबिचौड ने कहा ने कहा,'लोगों के काम पर बिताए जाने वाले अहम समय को ध्यान में रखते हुए, काम के तनाव और हार्ट हेल्थ के बीच संबंध को समझना सार्वजनिक स्वास्थ्य और वर्कफोर्स की भलाई के लिए जरूरी है। पुरुषों में काम के तनाव का असर दिल पर पड़ता देखा गया। लेकिन महिलाओं में यह संबंध नहीं पाया गया।

नैनीताल पुलिस ने 2.2 किलोग्राम चरस के साथ एक चरस तस्कर को किया गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 04 अक्टूबर : मुख्यमंत्री उत्तराखंड के विजन नशा मुक्त उत्तराखंड मिशन 2025 के क्रम में प्रहलाद नारायण मीणा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा जनपद नैनीताल स्तर पर प्रचलित अभियान के अंतर्गत युवाओं में नशाखोरी एवं मादक पदार्थो की तस्करी को रोकने हेतु पुलिस अधीक्षक अपराध/यातायात नैनीताल डॉ0 जगदीश चन्द्र एवं क्षेत्राधिकारी भवाली नितिन लोहानी के कुशल पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मुक्तेश्वर कमित जोशी के नेतृत्व में दिनांक. 02.10.2023 को जनपद की एसओजी टीम व थाना पुलिस टीम द्वारा धानाचूली बैंड मुक्तेश्वर के पास चैकिंग के दौरान 01 चरस तस्कर को कुल 02 किलो 02 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया। जिस सम्बन्ध में चरस तस्कर उज्जवल सिंह पुत्र महेश सिंह निवासी-बलोनी बेड चुला, धारी थाना मुक्तेश्वर जनपद नैनीताल के विरुद्ध धारा- 20 एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर पुलिस कार्यवाही की जा रही है।

अभियुक्त का नाम- उज्जवल सिंह पुत्र महेश सिंह निवासी- बलोनी बेडचुला, धारी जनपद नैनीतालबरामदगी- 02.2 किलोग्राम चरस

उत्तर प्रदेश : हर माह SHO से लेकर ADG की होगी समीक्षा, मुख्यमंत्री योगी

सीएम योगी का निर्देश एक-एक दिन का देना होगा हिसाब, हर घटना एक सबक है

न्यूज वायरस नेटवर्क

उत्तर प्रदेश 04 अक्टूबर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए अधिकारियों को जिला स्तर से लेकर जोन स्तर पर समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठक में आपराधिक घटनाओं से लेकर पेंडिंग मामलों पर चर्चा हो और लापरवाही करने वालों पर एक्शन लिया जाए। उन्होंने कहा कि हर घटना एक सबक होती है, इससे फील्ड में तैनात अधिकारी सीख लें और एक्टिव रहें ताकि दोबारा ऐसी घटनाएं प्रदेश में न हों और समय रहते उनको रोका जा सके। इस दौरान शोहदों पर नकेल कसने के लिए दोबारा एंटी रोमियो अभियान चलाने के निर्देश दिये। वहीं सीएम ने प्रदेश में जिला स्तर पर साइबर क्राइम थाना और थाना स्तर पर साइबर सेल का गठन करने के भी निर्देश दिये।

एसपी/एसएसपी और कमिश्नर थाने की करें साप्ताहिक समीक्षा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में प्रदेश में आपराधिक घटनाओं पर लगाम लगाने, शिकायती पत्रों के शत-प्रतिशत निस्तारण, चार्जशीट और पेंडिंग मामलों के तेजी से निस्तारण को लेकर जिले के एसएसपी/एसपी को हर थाने की साप्ताहिक समीक्षा करने के निर्देश दिये। इसी तरह एडीजी आईजी रेंज की पाक्षिक और डीजीपी एडीजी जोन की मासिक समीक्षा बैठक करें। सीएम ने कहा कि हर घटना एक सबक है। अंबेडकरनगर की घटना से पुलिस अधिकारी सबक लें और दोबारा ऐसी घटना न हो इसको लेकर अलर्ट रहें।

सीएम योगी ने जिला स्तर पर साइबर थाने और थाना स्तर पर साइबर सेल के जल्द गठन के दिये निर्देश

पूरे प्रदेश में शोहदों पर नकेल कसने के लिए दोबारा एंटी रोमियो स्क्वाड को एक्टिव किया जाए और अभियान चलाकर कार्रवाई की जाए। जिला मॉनिटरिंग कमेटी (डीएम, एसपी/एसएसपी कमिश्नर, जिला जज) की बैठक निरंतर होती रहे ताकि समय से चार्जशीट दाखिल होती रहे। इसमें पॉक्सो और महिला अपराध पर खास फोकस रखा जाए। वहीं लव जिहाद के मामलों में नये कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाए।

सोशल मीडिया की निगेटिव खबरों पर रखें पैनी नजर , सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के लगभग सभी थाने सीसीटीवी से लैस हो गये हैं, जहां काम चल रहा है वहां एक हफ्ते में पूरा किया जाए। अभी रेंज स्तर पर साइबर क्राइम थाने बने हैं। अब इसे जिला स्तर पर बनाने की कार्रवाई शुरू की जाए। इसी तरह जिला स्तर पर साइबर सेल संचालित हैं। इसे भी थाना स्तर पर संचालित करने के लिए कार्यवाही शुरू की जाए। इसके लिए पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाए। वहीं थाना स्तर पर साइबर सेल के संचालन के बाद भी साइबर हेल्प डेस्क का संचालन बंद न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

शोहदों के लिए फिर काल बनेगी योगी सरकार, प्रदेश में जल्द शुरू होगा अभियान

सीएम ने थाने स्तर से लेकर एसपी/एसएसपी/कमिश्नर स्तर पर सोशल मीडिया पर निगेटिव खबरों को लेकर पैनी नजर रखने को कहा है ताकि प्रदेश में शांति का माहौल बरकरार है। प्रदेश में त्योहारों का सीजन शुरू हो रहा है। इस दौरान कुछ असामाजिक तत्व सोशल मीडिया पर एक्टिव हो जाते हैं ऐसे लोगों की लिस्ट बनाकर कार्रवाई करें। प्रदेश में निवेश का माहौल है। इससे सभी को समझना होगा। निवेशकों को कोई परेशानी न हो और उनकी समस्या का बिना देरी किए निस्तारण हो इसके लिए हर थाने में निवेशक मित्र तैनात किया जाए। इसी तरह प्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। ऐसे में पर्यटकों को सहायता के लिए थाने में पर्यटक मित्र पुलिस की तैनाती हो। उन्होंने कहा कि संवाद से ही समस्या का समाधान निलकता है। इसे ध्यान में रखते हुए थानेदार ग्राम चौकीदार के साथ बैठक करें और क्षेत्र की गतिविधियों को लेकर चर्चा करें।

जनता की सेवा, सुरक्षा सहयोग के लिए हमेशा पुलिस तैयार : SO प्रमोद कुमार

न्यूज वायरस नेटवर्क

छुटमलपुर 04 अक्टूबर : SO प्रमोद कुमार ने थाना फतेहपुर इलाके में शांति व्यवस्था को लेकर छुटमलपुर कस्बे में संवेदनशील इलाकों में पैदल भ्रमण किया। SO प्रमोद कुमार ने लोगों को यह एहसास दिलाया कि पुलिस हर कदम पर आपके साथ है। और कहा कि किसी से डरने की जरूरत नहीं है। माहौल खराब करने वालों को खुद से चिन्हित करें और पुलिस को गोपनीय सूचना दें। पुलिस जनता की सेवा, सुरक्षा सहयोग के लिए हर समय तत्पर है। जनता भी पुलिस के साथ तालमेल बना कर रखे अपने आस पास होने वाली किसी भी तरह की आपत्तिजनक गतिविधियों की सूचना बिना देरी किए पुलिस को दे, ताकि उन पर समय रहते अंकुश लगाया जा सके। इस दौरान SO प्रमोद कुमार ने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने का आह्वान किया। क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर लोगों को अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए सहयोग की अपील की।

राजकीय शिक्षकों की 8 अक्तूबर को दून में प्रदेशव्यापी रैली

देहरादून। राजकीय शिक्षकों ने लंबित मांगों के हल को लेकर आर-पार का ऐलान कर दिया है। आठ अक्तूबर को दून में प्रदेशव्यापी रैली निकाल सरकार पर दबाव बनाएंगे। राजकीय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह चौहान और महामंत्री रमेश चंद्र पैन्यूली ने निदेशक माध्यमिक शिक्षा को आंदोलन का अल्टीमेटम पत्र भेज दिया है। चौहान ने बताया कि चार अगस्त को शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत की अध्यक्षता में शिक्षकों के कई मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन एक मांग का समाधान नहीं हुआ। आंदोलन के पहले चरण में शिक्षकों ने विरोध स्वरूप बाहों पर काली पट्टियां बांध शिक्षण कार्य किया, पर शिक्षकों की मांगों को लेकर शासन से लेकर निदेशालय के अफसर गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। चौहान ने कहा कि अब शिक्षकों को आठ अक्तूबर रविवार के दिन प्रदेशव्यापी रैली निकालने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने सभी जिलों के पदाधिकारियों को रैली में बड़े स्तर पर भागीदारी का आह्वान किया। रैली परेड मैदान से शुरू होगी और शहर के विभिन्न स्थानों पर जाकर वापस परेड मैदान में खत्म होगी। संघ के महामंत्री पैन्यूली ने बताया कि मुख्य मांगों में एलटी और प्रवक्ता संवर्ग के प्रमोशन, 5400 ग्रेड पे को राजपत्रित घोषित करना, चयन प्रोन्नतमान में एक वेतनवृद्धि, तदर्थ शिक्षकों को भी ग्रेच्युटी का लाभ देने, स्थानांतरणों में हुई अनियमितताओं में संशोधन आदि प्रमुख हैं। पैन्यूली ने कहा कि हर माह स्कूलों में मासिक परीक्षाएं कराने के फैसले से छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन पर बुरा असर पड़ रहा है। इसके बजाय साल में चार बार ही मासिक परीक्षाएं होनी चाहिए।

शक्ति केंद्र प्रवास के तहत अमिया बूथ में की बैठक

हल्द्वानी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने शक्ति केंद्र प्रवास कार्यक्रम के तहत अमिया बूथ में बैठक की। अमृतपुर शक्ति केंद्र की बैठक में जिला मंत्री नितिन राणा ने कार्यकर्ताओं को पार्टी के भावी कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोडने की अपील की। अमृतपुर शक्ति केंद्र के तीनों बूथों की समितियों का सरल एप पर सत्यापन किया। बैठक में शक्ति केंद्र संयोजक मधुसूदन पलडिया, प्रभारी चिराग बोरा, पूर्व मंडल अध्यक्ष जीवन बोरा, पंकज मेहरा, नरोत्तम जोशी, भुवन पांडे आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

हरिद्वार में भूकंप के झटकों से सहमे लोग

हरिद्वार। धर्मनगरी में मंगलवार दोपहर के समय भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। जिले में सभी स्थानों पर भूकंप की झटके महसूस होने पर लोग घरों से बाहर निकल आए। कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार भूकंप से जिले में कहीं किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत ने बताया कि भूकंप के कारण किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं है। लोगों ने दो बार भूकंप के झटकों को महसूस किया था।

दो कुंतल प्लास्टिक की सामग्री की जब्त

हरिद्वार। हरकी पैड़ी क्षेत्र में अवैध रूप से फड़ लगा कर प्लास्टिक कैन बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर नगर निगम की टीम ने करीब दो कुंतल प्लास्टिक की सामग्री जब्त की। कार्रवाई के दौरान फड़ लगा कर प्लास्टिक कैन बेचने वाले कई दुकानदार मौके से निकल गए। टीम ने करीब 30 दुकानदारों का सामान जब्त किया। टैक्स अधीक्षक लक्ष्मी कांत भट्ट ने बताया की सभी दुकानदारों को भविष्य में अतिक्रमण और प्लास्टिक की कैन की बिक्री न करने की चेतावनी दी गई है। करीब दो कुंतल प्लास्टिक सामग्री जब्त की गई है। दो गाड़ी माल जब्त किया गया है। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। दुकानदारों पर पांच हजार का जुर्माना लगाया जाएगा। इस दौरान एसएनए बीएल आर्य, सुभाष, अनिकेत, अशोक आदि मौजूद रहे।

2024 तक टीबी मुक्त होगा हरिद्वार

हरिद्वार। भारत सरकार की ओर से चलाए जा रहे सबकी आकांक्षाएं सबका विकास अभियान के तहत बहादराबाद के विद्या मंदिर स्कूल में जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने टीबी चैम्पियन रैली को हरी झंडी दिखाकर किया गया। डीएम धीराज सिंह गर्ब्याल ने कहा कि अभियान के तहत हरिद्वार को 2024 तक टीबी मुक्त किया जाएगा। रैली में 17 टीबी चैंपियन ने प्रतिभाग किया। लोगों को बताया कि टीबी का उपचार संभव है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष दत्त ने बताया कि टीबी का उपचार, दवाइयां, स्क्रीनिंग जनपद के राजकीय चिकित्सालयों में निशुल्क उपलब्ध है। रैली में डॉ. सुबोध जोशी, डॉ. शादाब, सलीम एसटीएस,मीनू , सागर, दीक्षा आदि मौजूद रहे। संकल्प सप्ताह अभियान के तहत जिला मेला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादराबाद आदि केंद्रों में स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया गया।

जीवन में अनुशासन बेहद जरुरी: सैनी

रुड़की। मोंटफोर्ट स्कूल में स्काउट एवं गाइड शिविर में कई आयोजन किए गए। मंगलवार को शिविर शुरू होने पर प्राचार्य ब्रदर अल्बर्ट अब्राहम ने ध्वजारोहण किया। कैडेटों ने जागरूकता रैली भी निकाली। कैंप फायर के दौरान मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद डॉ. कल्पना सैनी ने कैडेटों को अनुशासन अपनाने का आह्वान किया। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने कहा कि भारत स्काउट गाइड प्रेरणादाई संगठन है। हर कैडेट को इस संगठन की मूल भावना को समझकर काम करना चाहिए। इस दौरान दिल्ली ,जबलपुर और भोपाल सेक्टर के कैडेटों ने नृत्य, संगीत, और नाटकों की प्रस्तुति दी। इस दौरान विधायक प्रदीप बत्रा, पूर्व विधायक कुंवर प्रणव सिंह, एसडीएम विजयनाथ शुक्ल, भाजपा नेता मयंक गुप्ता, एसपी देहात स्वप्न किशोर सिंह, भारत स्काउट गाइड के जिला सचिव राजेश सेनी, सुनील सुहानी, पुरवेंद्र शर्मा, अरविंद कुमार, स्काउट इंचार्ज ब्रदर विलियम, गाइड इंचार्ज आशा और समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के उपहारों को खरीदने का समय शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 अक्टूबर , अगर आप भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश-विदेश में मिले उपहारों को अपना बनाना चाहते हैं तो आपके पास अच्छा मौका है. आज से नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट्स में एक्जीबिशन शुरू हो गई है. इसमें एग्जीबिशन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पिछले कुछ सालों में मिले स्मृति चिह्नों और उपहारों को प्रदर्शनी के लिए रखा गया है. हर साल की तरह राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय या नेशनल गैलरी ऑफ मॉर्डन आर्ट्स (एनजीएमए) में आज से शुरू हुई प्रदर्शनी में रखे सभी उपहारों की नीलामी की जाएगी.

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर दी जानकारी

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एग्जीबिशन की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि ₹आज से एनजीएमए दिल्ली में एक एग्जीबिशन शुरू हो रही है जिसमें मुझे पिछले कुछ सालों में प्रदान किये गये उपहारों और स्मृति चिह्नों को प्रदर्शित किया जाएगा. भारत में अनेक कार्यक्रमों में मुझे दिये गये ये उपहार भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और कलात्मक धरोहर का प्रमाण हैं. हमेशा की तरह, इनकी नीलामी की जाएगी और उससे मिली हुई रकम को नमामि गंगे परियोजना में दिया जाएगा.₹

कैबिनेट मंत्री मीनाक्षी लेखी ने भी प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी

इससे पहले केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने भी संबोधित करते हुए इस प्रदर्शनी के बारे में जानकारी दी थी. उन्होंने X पर लिखा कि प्रधानमंत्री को अनेक मौकों पर प्रदान किये गये स्मृति चिह्नों और उपहारों की नीलामी अब चालू है. सभी से अनुरोध है कि ई-नीलामी में शामिल हों और नमामि गंगे परियोजना में योगदान दें जिससे प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी.

जनवरी 2019 से हुई थी पीएम मोदी के गिफ्ट्स की नीलामी की शुरुआत

जनवरी 2019 में पीएम नरेंद्र मोदी को मिले करीब 1900 उपहारों को सरकार ने पहली बार नीलाम किया था. अलग-अलग देशों से मिली पेंटिंग, मूर्तियां, शॉल, पगड़ी, जैकेट और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ कई दूसरे कीमती गिफ्ट्स भी इस ऑक्शन के जरिए बेचे गए थे.

यहां पर मर्दों को करनी होती है दो शादी, मना करने पर जाना पड़ता है जेल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 04 अक्टूबर : दुनिया के हर देश में शादी के लिए अलग-अलग कानून हैं। लेकिन दुनिया में एक ऐसा देश है जहां पर हर मर्द को दो शादी करना अनिवार्य है। अगर किसी पुरुष ने दो शादी करने से इंकार कर दिया, तो उसे अपना जीवन सलाखों के पीछे बिताना पड़ेगा।

अफ्रीका महाद्वीप के देशों में शादी को लेकर अलग-अलग कानून हैं। लेकिन ऐसे कानून दुनिया के किसी और देश में नहीं हैं। अफ्रीका महाद्वीप के एक देश में अजीबो-गरीब कानून है। यहां पर मर्दों को दो शादी करनी अनिवार्य है। अगर किसी शख्स ने शादी करने से मना कर दिया, तो कड़ी से कड़ी सजा दी जाती है। आपको इस अनोखे देश के कानून के बारे में जानकर हैरानी हो रही होगी। आप सोच रहे होंगे कि क्या किसी देश में ऐसा भी कानून हो सकता? आईए जानते हैं अफ्रीका महाद्वीप के इस देश के बारे में।

अफ्रीका महाद्वीप के इस देश में दो शादी करने के लिए अनोखा कानून बनाया गया है। इस अफ्रीकी देश का नाम इरीट्रिया है। यहां पर पुरुषों को दो शादी करना अनिवार्य है। अब पुरुष खुशी मन से शादी करे, या दुखी मन से।

इरिट्रिया में दो शादी करना अनिवार्य है। अगर कोई पुरुष शादी करने या दो बीवियो को रखने से इंकार कर देता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होती है। अगर कोई दो शादी करने से इंकार करता है, तो उसे आजीवन जेल की सजा मिलती है। इस देश में महिलाओं की वजह से यह अनोखा कानून बनाया गया है। इरीट्रिया में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं की संख्या है। इरीट्रिया का इथियोपिया से गृहयुद्ध चल रहा है जिसकी वजह से महिलाओं की संख्या यहां पर ज्यादा है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस देश में महिलाओं के लिए भी कड़ा कानून है। यहां की महिलाएं पुरुषों को दो शादी करने से नहीं रोक सकती हैं। अगर उन्होंने शादी में कोई बाधा उत्पन्न की तो, उनको भी जेल में डाल दिया जाता है।

बर्थ सर्टिफिकेट से बनेंगे सारे कागजात, बदल गए नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 अक्टूबर , , अक्टूबर से देशभर में बर्थ सर्टिफिकेट सिंगल डॉक्यूमेंट बन गया है । इससे जरिये आपको आधार कार्ड से लेकर पासपोर्ट या ड्राइविंग लाइसेंस से लेकर शादी का सर्टिफिकेट बनवाने के लिए किसी अन्य डॉक्यूमेंट की जरूरत नहीं पड़ेगी। 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 2023' की मंजूरी के बाद से बर्थ सर्टिफिकेट सिंगल डॉक्यूमेंट बना है।यानी आपके पास बर्थ सर्टिफिकेट है तो ज्यादातर जगहों पर अन्य किसी डॉक्यूमेंट की जरूरत नहीं पड़ेगी। अभी तक आधार कार्ड को ऐसा दस्तावेज माना जा रहा था। लेकिन 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 2023' को राष्ट्रपति से मंजूरी के बाद बर्थ सर्टिफिकेट बेहद अहम दस्तावेज बन गया है। इसके जरिये आधार समेत कई दस्तावेज बन सकेंगे।

उम्र सालभर से ज्यादा तो ऐसे बनेगा बर्थ सर्टिफिकेट?

एक साल से ज्यादा आयु के बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अब तक सिटी मजिस्ट्रेट से अनुमति लेनी होती थी लेकिन अब एसडीएम के पास आवेदन करना होगा। एसडीएम आवेदनकर्ता की जांच करेंगे। लेखपाल की रिपोर्ट समेत सभी साक्ष्य और जानकारी सही पाए जाने पर एसडीएम के स्तर से नगर निगम के नगर स्वास्थ्य अधिकारी को रिपोर्ट भेज दी जाती है और जिस जोन में मकान या अस्पताल होता है वहां के जोनल कार्यालय से प्रमाणपत्र जारी हो जाता है। लेट फीस के रूप में आवेदनकर्ता को 10 रुपये देने होंगे।

ये डॉक्यूमेंट जरूरी -

अस्पताल में बच्चे का जन्म होने परअस्पताल की डिस्चार्ज स्लिपमाता पिता दोनों का आधार या फिर पहचान के लिए मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड समेत कोई अन्य दस्तावेज

घर पर जन्म होने पर :

पार्षद द्वारा प्रमाणित पत्रमाता पिता दोनों का आधार या फिर पहचान के लिए मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसें, पैन कार्ड समेत कोई अन्य दस्तावेजपार्षद न होने पर सेक्टर वॉर्डन के पत्र के साथ माता पिता के दस्तावेज भी मान्य हैं।

इतने दिन में बनेगा बर्थ सर्टिफिकेट?

बच्चे जन्म के 21 दिन के अंदर माता-पिता को बर्थ सर्टिफिकेट के लिए अप्लाई करना होगा। इतने दिनों में रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाता तो एक्ट की धारा-13 में प्रावधान है कि 30 दिन के अंदर जन्म का रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इसके लिए दो रुपये का विलंब शुल्क देना होगा। अगर एक महीने में भी रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाता है तो फिर आवेदक सालभर के अंदर संबंधित अथॉरिटी के सामने आवेदन के साथ एफिडेविट देकर और पांच रुपये लेट फीस देकर इस सर्टिफिकेट बनवा सकता है।

बर्थ सर्टिफिकेट से कौन-से दस्तावेज बन सकेंगे?

वोटर आईडी, आधार, पासपोर्ट, राशन कार्ड, पॉपुलेशन रजिस्टर (NPR) ड्राइविंग लाइसेंस बनवा सकेंगे। इसका इस्तेमाल मैरिज सर्टिफिकेट, जमीन-जायदाद का रजिस्ट्रेशन, शिक्षण संस्थानों में एडमिशन, सरकार की ओर से भविष्य में बनने वाले डेटाबेस में भी होगा।

iPhone चोरी होने के बाद भी मिल जाएगा वापस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 अक्टूबर , अगर आप आईफोन यूजर हैं तो फोन खोने या चोरी होने का डर हमेशा साथ लेकर चलते होंगे. चोरी के मामले जैसे सामने आते हैं उसकी वजह से सड़क पर फोन को लेकर टेंशन बनी ही रहती है. लेकिन आपकी इस टेंशन को दूर करने के लिए आज हम आपको तीन ऐसी ट्रिक्स बताएंगे जिसके बाद आपका फोन चोरी हो जाने पर भी वापिस मिल जाएगा. इसके लिए आपको ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं है बस अपने फोन में पहले से ही कुछ सेटिंग करनी होगी. अगर आप इन तीन फीचर्स को इनेबल कर लेते हैं तो आपकी फोन चोरी होने वाली टेंशन खत्म हो जाएगी.

iPhone में कर लें ये सेटिंग्स

फोन चोरी होने से पहले अपने आईफोन की सेटिंग में जाएं , इसके बाद ID और पासकोड में Allow Access when locked के ऑप्शन पर क्लिक करें. इसके बाद कंट्रोल सेन्टर और एसेसरीज को डिसेलेक्ट कर दें.

आईफोन की लोकेशन जानने के लिए इन स्टेप्स को करें फॉलो

इसके लिए सबसे पहले फोन की सेटिंग के ऑप्शन पर जाएं और अपने नाम पर क्लिक करेंये करने के बाद फाइंड माय आईफोन के ऑप्शन पर क्लिक करें.फाइंड माय आईफोन के ऑप्शन पर क्लिक करने के बाद फाइंड माय नेटवर्क पर सेंड लास्ट लोकेशन पर क्लिक करें.

eSIM बचा लेगी आईफोन

इस सेटिंग्स के बाद आपका चोरी या खोए हुए आईफोन को ढूंढने के लिए उसकी लोकेशन आपकी मदद कर सकती है. अब आप सोच रहे होंगे चोर फोन लेते ही फोन को स्विच ऑफ कर देगा तो क्या करेंगे तो बता दें कि, कभी ना कभी तो वो फोन का स्विच ऑन करेगा, जब भी फोन का स्विच ऑन होगा आप उसकी लोकेशन को ट्रैक कर सकेंगे.

कितना होना चाहिए शरीर का तापमान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 अक्टूबर , मौसम का बदलना, वैक्सीनेशन या फिर संक्रमण का होना किसी भी स्थिति में बॉडी का टेंपरेचर बदलता है। ज्यादा तापमान होने की स्थिति को बुखार कहते हैं। ज्यादा बुखार होने पर वयस्क काम नहीं कर पाते हैं और वहीं, बच्चे सुस्त पड़ जाते हैं। उनका स्कूल मिस होने लगता है। अक्सर माता-पिता इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि उनके बच्चे का टेंपरेचर अचानक बढ़ जाता है। क्या ऐसा होना नॉर्मल है या फिर चिंता करने की जरूरत है। आइए सबसे पहले समझते हैं कि बुखार है क्या।

बुखार क्या होता है

बुखार को शरीर के तापमान में अस्थायी बढ़ोतरी के रूप में परिभाषित किया गया है। नॉर्मल टेंपरेचर से अगर ये बढ़ जाए और शरीर को छूने पर गर्म होने का एहसास हो तो इस स्थिति को बुखार कहा जाता है। यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली यानी इम्युन सिस्टम के रिएक्शन का हिस्सा है। यह आमतौर पर किसी संक्रमण का परिणाम होता है।भारत में मानव शरीर का तापमान

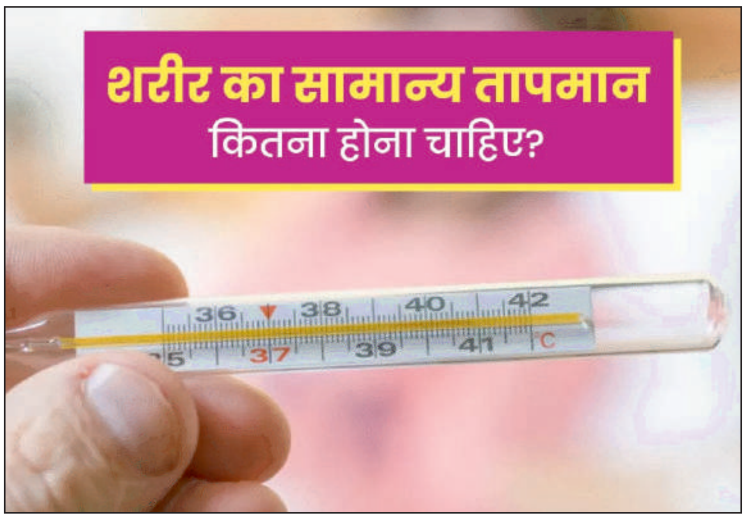

98.4 डिग्री फ़ारेनहाइट (अमेरिका जैसे कई देशों में 98.6 डिग्री फ़ारेनहाइट) आंका गया है। हालांकि यह टेंपरेचर कई लोगों में अलग-अलग होता है। लेकिन 96-99 के बीच टेंपरेचर नॉर्मल माना जाता है। इतना ही नहीं दिन के वक्त शरीर का तापमान थोड़ा बढ़ा रहता है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के अनुसार, बुखार तब होता है जब शरीर का तापमान 100.4 डिग्री फ़ारेनहाइट के बराबर या उससे अधिक होता है। यह नियम आम तौर पर वयस्कों और बच्चों दोनों पर लागू होता है।

बच्चों के बुखार को लेकर कब करनी चाहिए चिंता

संपादकीय

जातियों का चुनावी सर्वे

मंडल आयोग की सिफारिशों के 33 साल बाद 'जातीय राजनीति' का एक और दौर शुरू हुआ है। बिहार सरकार ने जातीय सर्वेक्षण के आंकड़े जारी कर ओबीसी और अति पिछड़ों के आरक्षण पर एक नई बहस छेड़ दी है। भारत सरकार ने 2021 की राष्ट्रीय जनगणना अभी तक नहीं कराई है। नतीजतन डाटा का जो 'अधिकृत शून्य' देश के सामने है, उसे राज्यों के 'जातीय सर्वे' नहीं भर सकते। बिहार के अलावा महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, ओडिशा और राजस्थान आदि राज्यों ने भी ऐसे सर्वे कराए हैं। ओडिशा ने पिछड़ी जातियों का आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण जारी भी कर दिया है। यदि जातीय सर्वे जारी ही नहीं किए गए और उनके मुताबिक पिछड़ी जातियों के विकास को न्याय नहीं दिया जा सका, तो फिर सर्वे बेमानी है। जातीय आरक्षण की अधिकतम सीमा निर्धारित है। आखिर सरकारें किन-किन जातियों को आरक्षण दे सकती हैं? नतीजतन ये कवायदें अराजकता के अलावा कुछ भी नहीं हैं। सर्वोच्च अदालत में बिहार के जातीय सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाएं अभी विचाराधीन हैं। संवैधानिक वैधता का फैसला आने से पहले ही सर्वे कराना और उसके नतीजों की घोषणा भी कर देना वाकई 'दुर्भाग्यपूर्ण' है। सर्वोच्च अदालत ने इस सर्वे को ही खारिज कर दिया, तो बिहार के राजनीतिक दल 'चुनावी प्रलाप' के बजाय कुछ भी नहीं कर सकते। सर्वे में बिहार की आबादी 13 करोड़ से अधिक बताई गई है। राज्य में 53 जातियों की आबादी एक फीसदी से भी कम है। यानी सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन आदि समुदायों का अस्तित्व 'नगण्य' है। यादव 4 फीसदी से अधिक, दलित 5.5 फीसदी और मुसलमान 5 फीसदी से अधिक बढ़े हैं। सवर्ण जातियां 3 फीसदी से ज्यादा घटी हैं। बहरहाल इन निष्कर्षों के आधार पर खासकर बिहार सरकार क्या करेगी? इस सवाल का जवाब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भविष्य पर टाल दिया है। इस सर्वे को बिहार का सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक सर्वेक्षण भी नहीं माना जा सकता। बिहार देश के सबसे गरीब राज्यों में दूसरे स्थान पर है। लालू यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी ने मुख्यमंत्री के तौर पर 15 साल बिहार में शासन किया है। आज भी उनके सुपुत्र तेजस्वी यादव राज्य के उपमुख्यमंत्री हैं। नीतीश कुमार करीब 18 सालों से मुख्यमंत्री हैं। पिछड़ी जातियों का विकास न तो याद रहा और न ही ऐसे सर्वे कराए गए। बिहार के पास आर्थिक संसाधन ही बेहद सीमित हैं। वंचित, दलित, महादलित, पिछड़ों, अति पिछड़ों और हाशिए पर पड़ी जातियों के लिए कब योजनाएं बनेंगी और उनकी भागीदारी आबादी के मुताबिक तय की जा सकेगी? दरअसल जातीय जनगणना या सर्वे का शिगूफा आजकल विपक्षी गठबंधन के दलों ने छेड़ रखा है। यह सर्वे भी चुनावी है। अति पिछड़े और ओबीसी के वोट बैंक मोदी कालखंड में भाजपा से जुड़े हैं। 2019 के आम चुनाव में करीब 44 फीसदी ओबीसी वोट भाजपा को मिले थे। विपक्ष इस वोट बैंक को छीनना चाहता है, लिहाजा यह प्रचार भी अभी से किया जा रहा है कि यदि 2024 में 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनी, तो राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना कराई जाएगी।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। फ़ोन : 0135-4066790, 2672002, RNI No. : UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 E-mail : dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com YouTube : TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

विधायक अनुपमा रावत ने कई गांव में किया कार्यों का शुभारंभ

हरिद्वार। हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत ने विधायक निधि से करीब एक करोड़ की योजनाओं से विकास कार्यों का शुभारम्भ किया। गांव जमालपुर, सराय, बहादरपुर जट, धनपुरा, घिससुपुरा, पथरी, गुर्जर बस्ती, नसीरपुर कलां, कुन्हारी, चंडी घाट, मोहल्लापुरी, कटेबड आदि गावों में सड़क, नाली, पुलिया, स्ट्रीट लाइट आदि कार्य होंगे। इस दौरान मुकर्रम अंसारी, इरशाद अली अंसारी, रमेश प्रधान, नजाकत अली, शैलेन्द्र पाठक, हेमा नेगी, आजम अली, तस्लीम अहमद, अनीस, शमशेर भड़ाना, पुनीत, अथर अंसारी, सकील अहमद, याशीन, नफीस अहमद, रियासत आदि उपस्थित रहे।

गुरुकुल विवि में छात्रों ने हस्ताक्षर अभियान चलाया

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी विवि के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग और बीटेक संकाय ने भारतीय भाषा उत्सव कार्यक्रम के तहत भाषाएं अनेक, भाव एक शीर्षक पर पर हस्ताक्षर अभियान चलाया। जिसका उद्देश्य हिन्दी को कामकाज और बोलचाल में अधिक महत्व देना है। मुख्य वक्ता उत्तराखंड पुलिस में उपनिरीक्षक सिद्धान्त सिंह ने विचारों में सकारात्मकता, चरित्र निर्माण और अपनी भाषा के अधिक उपयोग पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्य संयोजक डॉ. शिवकुमार चौहान, डॉ. अजय मलिक, सह-संयोजक डॉ. कपिल मिश्रा, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. प्रणवीर सिंह, सुनील कुमार, अश्वनी कुमार, कुलदीप, राजेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह, मुनेश, महेश कुमार आदि मौजूद रहे।

मुस्कान फाउंडेशन के शिविर में 50 लोगों ने किया रक्तदान

हरिद्वार। मुस्कान फाउंडेशन संस्था के संस्थापक स्व.नीरज मलिक की पुण्यतिथि पर आयोजित शिविर में 50 लोगों ने रक्तदान किया। कनखल के हरेराम आश्रम में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में हिमालयन मेडिकल कालेज (जौलीग्रांट) के चिकित्सकों ने सहयोग दिया। इस मौके पर विधायक मदन कौशिक, विधायक आदेश चौहान, महामंडलेश्वर स्वामी कपिल? मुनि, पूर्व मेयर मनोज गर्ग, मन्नू कुशवाहा, शिवांग वशिष्ठ, वासु चौहान, वसुन्धरा यादव, श्रुति ऐलन, नेहा मलिक?, ललित मिगलानी, मदन कौशिक, योगी रजनीश, जगदीश लाल पाहवा, डॉ.विशाल गर्ग, जगदीश विरमानी, अविना शोहरी, डॉ. महक सिंह, विजय पाल बघेल, अरुण कुमार पाठक आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

भूकंप के झटकों से हिला उत्तराखंड

देहरादून। उत्तराखंड में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी, नैनीताल, रुद्रपुर, काशीपुर, ऋषिकेश, पौड़ी , बीरोंखाल, धुमाकोट आदि शहरों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटकों के बाद लोग अपने-अपने घरों से बाहर भागकर सुरक्षित स्थान पर गए। हैरानी की बात है कि उत्तराखंड में दिल्ली, यूपी सहित अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। भू-वैज्ञानिकों की बात मानें तो नेपाल के करीब होने की वजह से उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में अन्य राज्यों की तुलना में तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के तेज झटकों से पुलिस ऑफिस सहित अन्य दफ्तरों से भी लोग बाहर निकले। हालांकि कि राहत की बात रही कि अभी तक भूकंप के झटकों से कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। भूकंप का केंद्र नेपाल रहा। रिचटर पैमाने में भूकंप की तीव्रता 5.6 नापी गई।

वर्तमान परिदृश्य में नर्स की बहुत बड़ी आवश्यकता: कौशिक

हरिद्वार। स्टूडेंट नर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसएनएआई) ने राज्य स्तरीय एसएनए कांफ्रेंस-2023 का आयोजन किया। कांफ्रेंस में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंची सरकारी, प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज, यूनिवर्सिटी की टीमों ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया। मंगलवार को बहादराबाद स्थित केयर नर्सिंग कॉलेज के प्रांगण में कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में नर्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिस तरीके से भौतिकवादी जीवन शैली में लगभग प्रत्येक व्यक्ति रोग ग्रस्त हो रहा है। रोजाना व्यक्ति की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताएं बढ़ रही हैं। इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में नर्स की बेहद जरूरत है। उत्तराखंड के युवाओं में नर्सिंग कोर्स के प्रति बढ़ रही जागरूकता पर खुशी जताते हुए कहा कि आने वाले कुछ ही सालों में देश ही नहीं विश्व में उत्तराखंड के बच्चे अपनी सेवाएं देंगे। डीआईजी अनंत शंकर ताकवाले ने कहा कि खेलकूद और अन्य प्रकार की एक्टिविटी में नर्स प्रोफेशन के बच्चों का प्रतिभाग करना प्रभावशाली है

एचआरडीए कार्यालय पर प्रदर्शन कर नक्शा पास करने के लिए समय मांगा

हरिद्वार। भागीरथी विहार फेस-1 कॉलोनी, नूरपुर पंजनहेडी के लोगों ने हरिद्वार रुडकी विकास प्राधिकरण कार्यालय पर प्रदर्शन किया। मकानों का नक्शा पास करने के लिए दो माह का समय मांगा। नूरपुर पंजनहेडी के प्रधान प्रदीप चौहान ने बताया कि भागीरथी विहार फेस-वन कॉलोनी, ग्राम नूरपुर पंजनहेडी में करीब 10 साल से लोग मकान बनाकर रह रहे हैं। कुछ समय पहले एचआरडीएन ने करीब 115 मकान को अवैध बताते हुए नोटिस जारी कर नक्शा पास कराए जाने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही कॉलोनी में चौदह निर्माणाधीन मकान को भी सील कर दिया गया है। मंगलवार को ग्राम प्रधान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग एचआरडीए कार्यालय के बाहर पहुंचे और प्रदर्शन किया।

संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. शास्त्री को शिक्षा शिरोमणि सम्मान से नवाजा

हरिद्वार। उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री को शिक्षा शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया है। वेद एवं संस्कृत के उत्थान के लिए किए उत्कृष्ट कार्यों के लिए विश्व जागृति मिशन ने दिल्ली में प्रो. शास्त्री को यह सम्मान दिया। आध्यात्मिक गुरु सुधांशु महाराज ने कुलपति को सम्मानित किया। विश्व जागृति मिशन हर साल विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान प्रदान करने वाले व्यक्तियों को सम्मान देती है। इस वर्ष गांधी जयंती के अवसर पर संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. शास्त्री को यह पुरस्कार वेद एवं संस्कृत के उत्थान के लिए किए गए कार्यों के लिए दिया गया है। प्रो. शास्त्री यूजीसी के कई अनुसंधान परियोजनाओं के प्रधान अन्वेषक के रूप में कार्य कर चुके हैं। उनके मार्गदर्शन में लगभग 30 से अधिक शोधार्थी पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुके है। विवि के कुलसचिव गिरीश कुमार अवस्थी, उपकुलसचिव दिनेश राणा आदि ने कुलपति को बधाई दी।

कलेक्ट्रेट कैंपस में फांसी के फंदे पर झूला कर्मचारी

हरिद्वार। जिलाधिकारी कार्यालय (कलक्ट्रेट भवन) के एक कमरे में सोमवार देर रात एक कनिष्ठ सहायक फांसी के फंदे पर झूलता मिला। मौके पर मिले कागज में उसने आत्महत्या के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया। हालांकि, इसमें आत्महत्या का कारण नहीं लिखा गया है। इस कागज को सुसाइड नोट मानकर पुलिस जांच कर रही है। कर्मचारी के सुसाइड कर लेने की घटना से कलेक्ट्रेट में दिनभर चर्चा चलती रही। सिडकुल क्षेत्र के गांव रावली महदूद निवासी कमल कुमार (28) पुत्र परागी लाल जिलाधिकारी कार्यालय के आरटीआई अनुभाग में कनिष्ठ सहायक (सूचना सहायक) के पद पर तैनात था। सोमवार को गांधी जयंती के अवसर पर सरकारी अवकाश था। कुछ कर्मचारी कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। कैंपस के कमरा नंबर 222 में सूचना कार्यालय में कार्य कर रहे कमल कुमार के देर रात तक बाहर न आने पर कुछ कर्मचारी वहां पहुंचे। उन्होंने जब दरवाजा खोलना चाहा तब अंदर से कुंडी बंद थी। संदेह होने पर उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सीओ सदर स्वप्निल मुयाल, एसओ नरेश राठौड़ मौके पर पहुंचे। दरवाजा बंद होने पर पुलिस ने खिडकी के रास्ते अंदर प्रवेश किया, देखा कि कर्मचारी का शव रस्सी के फंदे के सहारे पंखे से झूल रहा था।

क्रिकेट के मैदान में हुआ खूनी संघर्ष

हरिद्वार। विवाद में क्रिकेट का मैदान जंग के मैदान में तब्दील हो गया। दो गुट आपस में भिड़ गए। मारपीट में कई युवक चोटिल हुए हैं। एक गुट ने दूसरे गुट पर लोहे की रॉड और विकेट से हमला करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली रानीपुर में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को दी गई शिकायत में अभिषेक पुत्र बलराम निवासी घासमंडी ज्वालापुर ने बताया कि रविवार को बागोवाली क्रिकेट मैदान में मोहल्ले के ही शुभम, पवन, पारस, राहुल, अजय, सुमित के साथ क्रिकेट खेलने पहुंचा था। आरोप है कि इसी दौरान कुनाल पुत्र धनपत सिंह निवासी सुभाष नगर , ऋतिक चंचल पुत्र शुशील चंचल निवासी वाल्मिक बस्ती रामधाम कॉलोनी अपने साथी शुभम उर्फ गंजू, कन्हैया उर्फ पुडी निवासी काशीपुरा हरिद्वार, विवेक निवासी रामधाम के साथ पहुंचा। आरोप है कि उन पर लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। बीच-बचाव कराने आए बिलाल निवासी बाबर कॉलोनी को भी बुरी तरह पीटा गया। आरोपी हत्या की धमकी देकर फरार हो गए। कोतवाली प्रभारी नरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

दिल्ली से कोटद्वार के लिए चलने वाली ट्रेन का पूरा टाइम टेबल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 अक्टूबर , रेलवे बोर्ड ने एक और नई ट्रेन चलाने को मंजूरी दी है। यह ट्रेन दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल से चलेगी। हर रोज चलने वाली यह मेरठ, मुजफ्फरनगर, देवबंद, टपरी, रूड़की, नजीबाबाद होते हुए कोटद्वार तक जाएगी। इसके चलने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नजीबाबाद से दिल्ली को सीधी ट्रेन की सेवा तो मिलेगी ही, कोटद्वार के लिए एक और ट्रेन का विकल्प मिलेगा।

क्या होगी नई ट्रेन की टाइमिंग

रेलवे बोर्ड के कोचिंग डाइरेक्टरेट से जारी एक फैक्स मैसेज के मुताबिक इस नई ट्रेन के टाइम टेबल को रेलवे बोर्ड की मंजूरी मिल गई है। यह ट्रेन आनंद विहार टर्मिनल से रात को 21.45 बजे रवाना होगी और अगले दिन तड़के 03.50 बजे कोटद्वार पहुंच जाएगी। वापसी में यह ट्रेन कोटद्वार से रात के 22.00 बजे चलेगी और अगले दिन तड़के 04.35 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंच जाएगी। रेलवे बोर्ड के इस मैसेज में इस ट्रेन के नंबर का खुलासा नहीं किया गया है। इस ट्रेन की सेवा दैनिक की होगी मतलब कि डेली चलेगी।

कहां-कहां होगा स्टॉपेज

इस ट्रेन का कामर्शियल स्टॉपेज कहां-कहां होगा, इसे भी रेलवे बोर्ड ने तय कर दिया है। बोर्ड से भेजे गए मैसेज के मुताबिक आनंद विहार टर्मिनल से चलने के बाद सीधे यह ट्रेन 22.54 बजे मेरठ सिटी पहुंच जाएगी। वहां दो मिनट का ठहराव होगा। फिर यह ट्रेन रात में 23.34 बजे मुजफ्फरनगर पहुंच जाएगी। वहां के बाद ट्रेन 23.54 बजे देवबंद पहुंच जाएगी। आधी रात को 00.38 बजे ट्रेन टपरी पहुंच जाएगी। वहां दो मिनट ठहरने के बाद ट्रेन रूड़की के लिए रवाना हो जाएगी। यह ट्रेन 01.41 बजे लस्कर पहुंच जाएगी। वहां इसका स्टॉपेज पांच मिनट का दिया गया है। फिर ट्रेन 02.12 बजे मुअज्जमपुर नारायण पहुंचेगी। वहां के बाद ट्रेन नजीबाबाद 02.50 बजे पहुंचेगी। इसके बाद तड़के 03.13 बजे ट्रेन सनेह रोड पहुंचेगी। फिर 03.30 ट्रेन कोटद्वार पहुंच जाएगी। वापसी में यह ट्रेन इन्हीं स्टेशनों पर ठहरेगी।

फिट होते ही बदरी-केदार दर्शनों के लिए पहुंचे ऋषभ पंत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 04 अक्टूबर : क्रिकेटर ऋषभ पंत के लिए साल की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वो एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनके लिए पिछले कुछ महीने मुश्किल भरा रहे, लेकिन दस महीने बाद क्रिकेटर ऋषभ पंत अब स्वस्थ हैं। उन्होंने एक बार फिर क्रिकेट की प्रैक्टिस शुरू कर दी है।बीते दिन ऋषभ धार्मिक यात्रा पर निकले।

उन्होंने देहरादून हेलीपैड से केदारनाथ और बदरीनाथ धाम के लिए उड़ान भरी। ऋषभ पंत ने पहले बदरीनाथ धाम के दर्शन किए। जहां तीर्थ पुरोहितों ने ऋषभ का स्वागत किया और पूजा-अर्चना कराई।

ऋषभ की धार्मिक यात्रा के कई वीडियो और तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। बदरीनाथ धाम के दर्शन के बाद ऋषभ केदारनाथ धाम के लिए रवाना हुए। ऋषभ पंत जल्द ही भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी करने वाले हैं। फैंस भी अपने चहेते क्रिकेटर को मैदान में देखने का इंतजार कर रहे हैं, ये इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। बता दें कि ऋषभ पंत 30 दिसंबर 2022 को भीषण कार हादसे का शिकार हुए थे। घटना के वक्त ऋषभ अपनी मर्सिडीज बेंज में सवार होकर दिल्ली से अपने रुड़की स्थित घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी कार नारसन कस्बे में डिवाइडर से टकरा कर पलट गई और उसमें भीषण आग लग गई। हादसे में ऋषभ गंभीर रूप से घायल हुए थे। ऋषभ की हालत में अब सुधार है। ठीक होते ही वह भगवान बदरीनाथ और केदारनाथ के लिए दर्शनों के लिए उत्तराखंड पहुंचे। उम्मीद की जा रही है कि वर्ल्ड कप के बाद ऋषभ मैदान में वापसी कर सकते हैं।

केमिस्ट एसोसिएशन ने की भाजपा महानगर अध्यक्ष से की मुलाकात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। केमिस्ट एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पुलिस पर केमिस्टों को छापेमारी के नाम पर बेवजह परेशान किए जाने का आरोप लगाया। जिस पर महानगर अध्यक्ष ने मौके से ही फोन पर एसएसपी से वार्ता कर उनकी समस्या बताई। आश्वासन के बाद केमिस्ट एसोसिएशन ने हड़ताल की चेतावनी वापस ले ली है। एसोसिएशन के अध्यक्ष के नवीन खुराना के नेतृत्व में कई केमिस्ट महानगर अध्यक्ष व दून उद्योग व्यापार मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल के पास पहुंचे थे। जहां नवीन खुराना ने उन्हें बताया कि पुलिस प्रशासन पिछले कुछ दिनों से सभी केमिस्ट की दुकानों पर नियम विरुद्ध छापेमारी कर रहा है। यही नहीं पड़ताल के नाम पर उनसे अभद्रता भी की जा रही है। जबकि बिना औषधि निरीक्षक के पुलिस को जांच का अधिकार नहीं है। ऐसे में नियम विरुद्ध निरीक्षण कर उन्हें परेशान किया जा रहा है। इस पर महानगर अध्यक्ष ने एसएसपी अजय सिंह से फोन पर वार्ता की और दो दिन का समय केमिस्टों को देने की बात कही। ताकि जो भी कमी हो वो ठीक कर ली जाए। इस पर एसएसपी ने नियम विरुद्ध किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई ना किए जाने का आश्वासन दिया। मिलने वालों में केमिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री अरविंद,नवनीत मल्होत्रा, अंकित अग्रवाल ,लोकेश शर्मा ,बालवीर रावत, भोपाल गुलाटी ,योगेंद्र कुमार, अनिल सिंह ,पुनीत अग्रवाल, अंजुल गुप्ता, ईश्वर दयाल, संजय मेहंदीरत्ता,मनीष और सुधीर जैन आदि मौजूद रहे।

दून सिख वेलफेयर सोसाइटी के नेत्र चिकित्सा शिविर में 181 की जांच

देहरादून। दून सिख वेलफेयर सोसायटी की ओर से मंगलवार को सुभाष रोड स्थित गुरुद्वारे में नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 181 लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई। शिविर का आरंभ वाहे गुरु से सभी की आँखों की स्वस्थ जांच एवं सफल ऑपरेशन की अरदास के साथ हुई। शिविर में आए कुल मरीजो में से 37 के मोतिया बिंदु के ऑपरेशन हुए। श्री महन्त इंदिरेश हॉस्पिटल के नेत्र विशेषज्ञ डॉ दिविजा अरोड़ा व डॉ राजेश्वर सिंह ने मरीजों की जांच की। स्वाति तिवारी के सुपरविजन में तकनीकी विशेषज्ञों ने नजर व अन्य जांच की। सभी जरूरतमन्दों को दवाइयां, नजर के पढने वाले चश्मे मुफ्त दिये गये। सचिव के के अरोड़ा ने बताया कि चार अक्टूबर को भी सुबह 9 बजे से ओपीडी होगी। सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष कृपाल सिंह चावला, अध्यक्ष जेएस मदान, कोषाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह,समन्वयक सरदार इंदरजीत सिंह, उप समन्यवयक सतनाम सिंह,पूर्व अध्यक्ष जेएस जस्सल, अमरजीत सिंह भाटिया, अर्जुन दास भारद्वाज, विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष वीके वोहरा सहित कई लोग मौजूद रहे।

15 अक्तूबर के बाद नहीं मिलेगी सडक़ खुदाई की अनुमति

देहरादून। ग्लोबल इन्वेस्टर समिति-2023 की तैयारियां तेजी से चल रही है। 15 अक्तूबर के बाद पेयजल, सीवर और अन्य निर्माण कार्यों के लिए सडक़ खुदाई की अनुमति नहीं मिलेगी। यदि कोई बिना अनुमति सडक़ खदेगा तो उसके खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ डैमेज पब्लिक प्रॉपर्टी ऐक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को एडीएम वित्त एवं राजस्व रामजी शरण शर्मा ने समिट को लेकर विभिन्न विभागों की बैठक ली।

संक्षिप्त खबरें

विहिप की शौर्य जागरण यात्रा का स्वागत

रुडक़ी। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा निकाली गई शौर्य जागरण यात्रा का नगर में विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में पहुंचने पर यात्रा में शामिल लोगों ने संतों का आशीर्वाद लिया। शौर्य जागरण यात्रा मंगलवार को लक्सर से लंढौरा होते हुए मंगलौर पहुंची। लंढौरा रोड स्थित श्री जाहरवीर गोगा म्हाड़ी पर पहुंचकर वहां के संचालक नरेश भगत आदि ने यात्रा पर पुष्प वर्षा की। यहां से नेशनल हाईवे से होते हुए यात्रा मानक चौक स्थित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पहुंची।

जवान की सडक़ हादसे में मौत से गांव में छाया मातम

रुडक़ी। छुट्टी बिताने के बाद ड्यूटी पर जा रहे सीआरपीएफ के जवान की सहारनपुर में नांगल के पास सडक़ हादसे में मौत हो गई। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने बताया कि भगवानपुर थाना क्षेत्र के महेश्वरी गांव निवासी अमित कुमार (34) पुत्र विनोद कुमार सीआरपीएफ में तैनात था। सोमवार की शाम वह अपनी बाइक से सोनीपत में ड्यूटी पर लौट रहा था। सहारनपुर के नांगल गांव के पास पीछे से तेज गति से आ रहे वाहन ने उसे टक्कर मार दी। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अमित के शव का मंगलवार की सुबह पोस्टमार्टम कराने के बाद गांव लाया गया। इससे गांव में मातम छा गया। पुलिस सम्मान के साथ उसका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, जिला सहकारी बैंक के चैयरमैन प्रदीप चौधरी, विधायक ममता राकेश, विधायक वीरेंद्र जाती सहित बड़ी संख्या में लोग जवान को श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

तहसील दिवस में विधायक ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

हल्द्वानी। तहसील दिवस में क्षेत्र विधायक डॉ. मोहन बिष्ट ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में कई समस्याओं का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। इस मौके पर विधायक ने लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के चेक भी वितरित किए। तहसील दिवस में मंगलवार को विधायक डॉ. मोहन बिष्ट ने शिरकत कर जनसमस्याएं सुनीं। फरियादियों ने विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 32 शिकायतें दर्ज कराई। इनमें से कई समस्याओं का विधायक ने विभागीय अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही निस्तारण कराया। विधायक ने अधिकारियों से जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण और शत-प्रतिशत जवाबदेही निभाने के निर्देश दिए। इस मौके पर विधायक ने लाभार्थियों को विभिन्न मदों से आर्थिक सहायता के चेकों का भी वितरण किया। यहां तहसीलदार मनीषा बिष्ट, नायब तहसीलदार राजीव कुमार वर्मा, राजस्व निरीक्षक लक्ष्मी नारायण यादव, मनोज रावत, सुनीता लोहनी, रोहित बिष्ट, रमेश कुनियाल, रोहित दुम्का, भाजपा मंडल अध्यक्ष धन सिंह बिष्ट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षा विभाग में हुए स्टिंग की जांच पूरी करें

हल्द्वानी। हाईकोर्ट ने पौड़ी जिले के शिक्षा अधिकारियों के सितंबर 2018 में हुए स्टिंग प्रकरण की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विपिन सांघी व न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि मामले की जांच करके तीन सप्ताह में अपना व्यक्तिगत शपथपत्र पेश करें। कोर्ट ने यह भी पूछा है कि जो अधिकारी इसमें शामिल हैं उनके ऊपर क्या कार्रवाई हुई? कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 नवंबर की तिथि नियत की है। सुनवाई पर कोर्ट ने सरकार से पूछा कि पूर्व के आदेश पर अभी तक जांच की क्या स्थिति है? जिस पर सरकार की तरफ से कहा गया कि जांच चल रही है। कोर्ट ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि 2022 में इस मामले में मुकदमा दर्ज हो चुका है। दो साल पूरे होने को हैं लेकिन अभी तक जांच पूरी नहीं हो पाई।

विधायक ने क्षतिग्रस्त मोटर मार्ग का किया निरीक्षण

हल्द्वानी। भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने मंगलवार को गुमाल गांव, पनिया मेहता, पनिया बौर, ओखलढूंगा, स्युडा सहित अन्य गांवों का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। संबंधित विभागों के अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई करने को कहा। विधायक कैड़ा ने बताया कि काठगोदाम से हैड़ाखान, खनस्यू मोटर मार्ग मालपा, पनियाबौर से ओखलढूंगा तक कई जगह पर क्षतिग्रस्त हो गया है। मार्ग लगातार खाई की तरफ धंस रहा है। जिससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मंगलवार को क्षतिग्रस्त सडक़ का स्थलीय निरीक्षण किया। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को पनिया बौर से ओखलढूंगा तक मार्ग को आपदा मद से जल्द सही करने को कहा है।